

अध्याय ५

मानव पूँजी निर्माण

मानव पूँजी – से अभिप्राय किसी देश में किसी समय विशेष पर पाए जाने वाले कौशल तथा सुविज्ञता के भण्डार से है।

- समय के साथ, मानव पूँजी के स्टॉक में होने वाली वृद्धि को प्रक्रिया को मानव पूँजी निर्माण कहते हैं।
- भौतिक पूँजी – से अभिप्राय उत्पादन के उत्पादित साधनों के भण्डार से है इसमें मशीनों, उत्पादन करने उपकरणों तथा क्षेत्रों एवं उपकरणों को सम्मिलित लिए जाता है।

वित्तीय पूँजी – का अर्थ कम्पनियों के शेयर्स/स्टॉक है, अथवा यह कम्पनियों की सम्पत्तियों के प्रति वित्तीय दावे होते हैं।

मानव पूँजी निर्माण के स्रोत

१. शिक्षा पर काम
२. स्वास्थ्य पर व्यय
३. नौकरी के साथ प्रशिक्षण
४. व्यस्कों के लिए अध्ययन का कार्यक्रम
५. स्थान्तरण
६. सूचना पर व्यय

आर्थिक संवृद्धि में मानव पूँजी निर्माण की भूमिका

- संवृद्धि के भावात्मक तथा भौतिक वातावरण में परिवर्तन
- भौतिक पूँजी की उच्चतर उत्पादन
- कौशल में नवीनता
- समानता तथा सहभागिता की उच्च दर

भारत में मानव पूँजी निर्माण की समस्याएँ

- तेजी से बढ़ रही जनसंख्या
- वृद्धि जीवी अपवाह
- अपयुक्ति मानव शक्ति आयोजन

- कृषि में काम के दौरान प्रशिक्षण की अपर्याप्तता
- निम्न शैक्षिक मानव

शिक्षा का महत्व तथा इसके उद्देश्य

१. शिक्षा से अच्छे नागरिक बनते हैं।
२. इससे ज्ञान तथा, प्रौद्योगिकी का विकास होता है।
३. लोगो के मास्तष्क का विकास होता है।
४. इसके द्वारा लोगों का व्यक्तित्व विकसित होता है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र का विकास

१. सामान्य शिक्षा का विस्तार
२. प्राथमिक शिक्षा
३. माध्यामिक शिक्षा- केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय
४. उच्च शिक्षा
५. तकनीकी, चिकित्सा तथा कृषि संबंधी शिक्षा
६. सर्वाशिक्षा अभियान
७. ग्रामीण शिक्षा
८. व्यक्त तथा महिला शिक्षा

शिक्षा अभी भी एक चुनौती पूर्ण समस्या

१. निरक्षर (की बड़ी संख्या)
२. अपर्याया व्यावसायिक शिक्षा
३. लिंग भेद
४. ग्रामीण पहुँचस्तर का निम्न होना
५. शिक्षा पर कम खर्च
६. निजीकरण

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अंक ०१)

१. मानव पूंजी की परिभाषाए।
२. मानव पूंजी निर्माण का क्या अर्थ है?
३. शिक्षा निवेश क्या है?
४. काम के दौरान प्रशिक्षण क्या है?
५. मानव विकास क्या है?

लघु उत्तरीय प्रश्न (३/४ अंक)

१. मानव पूंजी निर्माण के तीन प्रमुख संसाधन क्या हैं?
२. भारत में शिक्षा के मुख्य उद्देश्यों का वर्णन करें।
३. क्या तेजी से बढ़ रही जनसंख्या मानव पूंजी निर्माण की प्रक्रिया में बाधक है।
४. सूचना पर क्या मानव पूंजी निर्माण का एक संसाधन है? कैसे? व्याख्या कीजिए।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (०१ अंक प्रत्येक के लिए)

१. मानव पूंजी से अभिप्राय किसी देश में किसी समय विशेष पर पाए जाने वाले कौशल तथा सुविज्ञता के भण्डार से है।
२. मानव पूंजी निर्माण वह प्रक्रिया है। जिसके द्वारा ऐसे व्यक्तियों को पाना तथा उनकी संख्या में वृद्धि करना है जिनमें कौशल शिक्षा तथा अनुभव के गुण पाए जाएं जो कि किसी देश के आर्थिक तथा राजनैतिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।
३. शिक्षा में निवेश से तात्पर्य उस निवेश से है सरकार द्वारा या निजी व्यक्ति के द्वारा शिक्षा के विकास के लिए किया जाए।
४. काम के दौरान प्रशिक्षण का अर्थ उस प्रशिक्षण से है जो अपने कर्मचारियों को उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए दिया जाता है।
५. मानव के ज्ञान तथा कौशल में सुधार के लिए किये जाने वाले विराम को मानव विराम कहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (३/४ अंक)

१. शिक्षा पर लाभ
 - स्वास्थ्य पर व्यय
 - नौकरी के साथ प्रशिक्षण

- व्यस्कों के लिए अध्ययन का कार्यक्रम
 - संक्षेप में मे व्याख्या करे
२. अच्छे नागरिक
- विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का विकास
 - देश के संसाधनों के प्रयोग में सहायक
 - मानव व्यक्तित्व का विकास
 - लोगों के मानसिक क्षितिज या विकास
३. तेजी से बढ़ रही जनसंख्या के अनुपात में निवेश नहीं किया जाता है इस कारण मानव के रोजगार के स्तर में कभी रहती है और समयवध्य तरीके से पूंजी निर्माण की प्रक्रिया बाधक होती है।
४. कौशल की प्राप्ति तथा इसके प्रयोग के लिए आवश्यक है। कि नौकरी के स्थानों तथा विशिष्ट कौशल निर्माण की शैक्षणिक संस्थाओं के बारे में पूंजी सूचना प्राप्त हो। तदनुसार सूचना पर किया गया काम भी मानव पूंजी निर्माण के स्रोतों में शामिल किया जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (६ अंक)

१. मानव पूंजी से अभिप्राय किसी देश में किसी समय विशेष पर पाए जाने वाले कौशल तथा सुविज्ञता के भण्डार से है।
- भौतिक पूंजी से अभिप्राय उत्पादन के उत्पादित साधनों के भंडार से है इसमें मशीनें से है इसमें मशीनें, उत्पादन करने वाले प्लान्ट्स (Plants) तथा यन्त्रों एवं उपकरणों को सम्मिलित किया जाता है।
२. मानव पूंजी में निवेश से उत्पादन का स्तर बढ़ता है रोजगार के नए=२ अवसर प्रदान होते हैं आय के साधन बढ़ते हैं विकास में सहायक सकल घरेलू उत्पाद के वृद्धि तकनीकी विकास देश के विकास के सहायक।
३. शिक्षा मानव संसाधन विकास का एक आवश्यक तत्व है। ज्ञान तथा कौशल में सुधार करने के लिए शिक्षा अध्ययन, प्रशिक्षण तथा सीखने की विशेष कर स्कूलों तथा कालेजों में एक प्रक्रिया है। शिक्षा से अच्छे नागरिक बनते हैं। इससे विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का विकास होता है। लोगों के मस्तिष्क का विकास होता है। इसके द्वारा लोगों का व्यक्तित्व विकसित होता है। इसके द्वारा लोगों का व्यक्तित्व विकास। (अन्य उपयोगी बिन्दु)
४. श्रम बल की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करके मानव पूंजी निर्माण सहभागिता की दर में वृद्धि करके मानव

पूँजी निर्माण सहभागिता की दर में वृद्धि करता है। सहभागिता की दर जितनी ऊँची होती है समाज में आर्थिक तथा सामाजिक समानता का अंश भी उतना ही अधिक होता है सहभागिता की ऊँची दर तथा समानता का उच्च अंश, सामाजिक न्याय के साथ संवृद्धि जिसे विकास कहा जाता है, वे सूचक होते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (६ अंक)

१. मानव पूँजी तथा भौतिक पूँजी के अंतर कीजिए।
२. मानव पूँजी निर्माण के संसाधन क्या हैं?
३. व्याख्या कीजिए कि कैसे मानव पूँजी में निवेश संवृद्धि की प्रक्रिया को तीव्र बनाता है।
४. राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा कैसे एक महत्वपूर्ण आगत है। व्याख्या कीजिए।
४. सामाजिक समानता तथा सहभागिता की दर में मानव पूँजी निर्माण किस प्रकार वृद्धि करता है? व्याख्या कीजिए।

ग्रामीण विकास

ग्रामीण विकास का अर्थ है ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए एक नियोजित कार्य विधि ग्रामीण क्षेत्रों में लटकती और उभरती चुनौतियों पर ध्यान केन्द्रित करती है।

ग्रामीण विकास के लिए नियोजित कार्य विधि के मुख्य मुद्दे

- १) आधारिक संरचना का विकास
- २) मानवीय पूँजी निर्माण
- ३) उत्पादन संसाधनों का विकास
- ४) निर्धनता निवारण
- ५) भूमि सुधार

ग्रामीण साख

ग्रामीण साख का अर्थ कृषि परिवारों के लिए साख की उपलब्धता है। एक सामान्य भारतीय किसान की साख जरूरतों का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जा सकता है।

१. अल्प कालीन ऋण/साख की आवश्यकता
२. मध्य कालीन ऋण/साख की आवश्यकता
३. दीर्घ कालीन ऋण/साख की आवश्यकता

ग्रामीण साण के स्रोत

- अ) गैर संस्थागत स्रोत – भूस्वामी, गांव का वनिया तथा महाजन।
- ब) संस्थागत स्रोत – सरकार सहकारी समितिया व्यापारिक बैंक तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को शामिल किया जा सकता है।
- सहकारी साख समितियां
 - स्टेट बैंक और इण्डिया तथा व्यापारिक बैंक
 - क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा भूमि विकास बैंक
 - कृषि तथा ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय बैंक